[डा. विनय पी. सहस्रबुद्धे]

स्वभाषा, स्वभूषा और स्वनीति के आधार पर हमने पूरे विश्व में एक स्वदेश की पहचान बनाई। भारत की जो सभ्यता है, सांस्कृतिक पहचान है, उसमें अपराध बोध से दूर रहते हुए ये एक ऐसे प्रधान मंत्री है, जो जापान में जाते हैं, तो गीता भेंट करने में परहेज नही करते। ...**(समय की घंटी)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Vinayji, please wind up. I have to move to other speaker now.

डा. विनय पी. सहस्रबुद्धे: ईरान में जाते हैं, तो ईरान के लोग तो कहते हैं कि हमारा व्याकरण ही समान था, संस्कृत का और पर्शियन का- पाणिनि, उसके ऊपर कुछ करना चाहिए। हमारा देश आगे बढ़ता है और कुछ न कुछ काम करता है। उस विषय में मैं ज्यादा नही कहूँगा।

उपसभापति महोदय, मुझे अन्त में केवल दो वाक्य कहने हैं। वे वाक्य ये हैं कि कुल मिलाकर गवर्नेंस के क्षेत्र में जनहित को सामने रखते हुए जो होना चाहिए था स्वाधीनता के बाद तुरन्त पश्चात...

श्री उपसभापति: अब आप खत्म करें। ...**(समय की घंटी)**... अब आप खत्म करें। ...**(समय की घंटी)**...

डा. विनय पी. सहस्रबुद्धे: लोगों की जो अपेक्षा थी, वह यह थी कि हमारे जो राजनेता हैं, वे इस भाव से काम करें, जो छत्रपति शिवाजी महाराज ने बताया था...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Papers to be laid on the Table. Shri Ashwini Kumar Choubey. ...*(Interruptions)*...

डा. विनय पी. सहस्रबुद्धे: सर, मुझे सिर्फ एक बात कहने दीजिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: आपका समय खत्म हुआ। ...**(व्यवधान)**... माननीय चेयरमैन के आदेशानुसार जो समय तय है, मैं उस समय सीमा का पालन करूँगा।

PAPERS LAID ON THE TABLE - *Contd.*

Reports and Accounts (2017-18) of the Food Safety and Standards Authority of India

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अश्विनी कुमार चौबे): महोदय, मैं निम्नलिखित पत्रों की एक-एक प्रति (अंग्रेज़ी तथा हिन्दी में) सभा पटल पर रखता हूँ:-

(a) Annual Report and Accounts of the Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI), New Delhi, for the year 2017-18, together with the Auditor's Report on the Accounts.

(b) Review by Government on the working of the above Authority.

(c) Statement giving reasons for the delay in laying the papers mentioned at (a) above. [Placed in Library. *See* No. L.T. 53/17/19]

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT'S ADDRESS - *Contd.*

श्री उपसभापति: माननीय दिग्विजय सिंह जी, कुल 10 मिनट का समय आपके पास है। ...**(व्यवधान)**...

SHRI MADHUSUDAN MISTRY: Sir, I have a point of order.

SHRI RIPUN BORA: Sir, I also have a point of order.

PROF. MANOJ KUMAR JHA: Sir, I also have a point of order.

श्री मधुसूदन मिस्त्री : सर, पहले के स्पीकर ने ...**(व्यवधान)**... एक मिनट। मैं बोल रहा हूँ। ...**(व्यवधान)**... सर, पहले के स्पीकर ने * का नाम लिया है। वे इस हाउस के मेम्बर भी नहीं हैं। वह नाम रिकॉर्ड में से निकाल देना चाहिए, मैं यह कहना चाहता हूं।

श्री उपसभापति: मैंने यह कहा है। रिकॉर्ड एग्ज़ामिन करके जो राज्य सभा के नियम हैं, उनके तहत कार्रवाई होगी, यह मैंने कहा है।

PROF. MANOJ KUMAR JHA: Sir, the hon. Member has referred to....

श्री उपसभापति: झा जी, आपने लिख करके दे दिया है...

PROF. MANOJ KUMAR JHA: Sir, the right to reply has to be addressed carefully.

श्री उपसभापति: आपने लिख करके दे दिया है। That will be referred to. माननीय दिग्विजय सिंह जी, कुल 10 मिनट का समय आपके पास हैं।

श्री दिग्विजय सिंह (मध्य प्रदेश): उपसभापति महोदय, यह जो धन्यवाद प्रस्ताव रखा गया है, इसका मैं विरोध करता हूँ। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: प्लीज़।

श्री दिग्विजय सिंह: माननीय उपसभापति महोदय, 2014 का 'सबका साथ, सबका विकास' 2019 में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' में परिवर्तित हो गया। अब 'विश्वास' की आवश्यकता क्यों पड़ी, मुख्य मुद्दा यही है। जो व्यक्ति, जिन दंगो में ढाई हजार लोग मरे हों, उसकी माफी माँगने को तैयार नही था, जो व्यक्ति टोपी पहनने को तैयार नही था, जो व्यक्ति केन्द्र सरकार

---

* Expunged as ordered by the Chair.